एक असामान्य महामारी

समुदायों और नागरिक समाज संगठनों से अंतर्दृष्टि और साक्ष्य

सारांश

इस रिपोर्ट के बारे में

यह सिविल सोसाइटी सहयोग, समावेशी COVID-19 के डेटा जो समुदाय और नागरिक समाज संगठनों के डेटा द्वारा उत्पन्न है उसका दोहन करता है | इस सहयोगात्मक का उद्देश इस बात की समग्र समझ बनाना है की हाशिए पर रहने वाले लोग COVID-19 महामारी से कैसे प्रभावित हुए है, उनकी प्रतिक्रियाए और स्थिति

इसमें २० से अधिक सी-एस-ओ सहयोग के साथ जुड़े हुए हैं, विभिन्न समूहों का प्रतिनिधित्व और उनके साथ काम कर रहे हैं, जिनमें : जातीय अल्पसंख्यक; दलित; स्वदेशी लोग; आंतरिक रूप से विस्थापित लोग; लेस्बियन, गे, उभयलिंगी, ट्रांसजेंडर, क्वीयर और इंटरसेक्स; प्रवासी; वृद्ध व्यक्ति; दिव्यांग व्यक्ति; शरणार्थी; धार्मिक अल्पसंख्यक; सड़कों पर रहने वाले बच्चे; अनिर्दिष्ट लोग; महिलाओं और लड़कियों; और युवा लोग शामिल हैं।

Global Partnership for Sustainable Development Data (GPSDD) (सस्टेनेबल डेवलपमेंट डेटा के लिए ग्लोबल पार्टनरशिप) और International Civil Society Centre (ICSC) (इंटरनेशनल सिविल सोसाइटी सेंटर) ने सहयोग के लिए सचिवालय की भूमिका साझा की, जिससे GPSDD (जी.पी.एस.डी.डी) के इनक्लूसिव डेटा चार्टर और ICSC (आई.सी.एस.सी) के लीव-नो-वन-बिहाइंड-पार्टनरशिप के दो पार्टनर नेटवर्क को एक साथ लाया गया।

जुलाई 2021 में प्रकाशित

कार्यकारी सारांश

सीमांत लोगों ने COVID-19 महामारी प्रतिक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान दिया है: परिवारों, दोस्तों और साथियों (खाद्य पार्सल सहित) को व्यावहारिक सहायता प्रदान करना; पारस्परिक वित्तीय सहायता प्रदान करना; और आधिकारिक जानकारी को अनुवादित या साझा करना। सीमांत लोगों ने आय के वैकल्पिक स्रोतों को खोजने सहित महामारी के प्रभावों को स्वीकार करते हुए असाधारण लचीलापन दिखाया है।

समुदायों के प्रयासों के विपरीत, COVID-19 के लिए आधिकारिक सरकारी प्रतिक्रियाओं ने अक्सर सीमांत लोगों की अनदेखी की है या उन्हें बाहर रखा है। महामारी ने सरकारी एजेंसियों और सार्वजनिक निकायों द्वारा प्रकाशित और उपयोग किए जाने वाले आधिकारिक आंकड़ों में काफी अंतराल और पूर्वाग्रह को उजागर किया है। ये डेटा अंतराल कई लोगों और समूहों को 'अदृश्य' बना देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप वे राष्ट्रीय प्रतिक्रियाओं से बाहर हो जाते हैं। महामारी ने हमारे समाज की संरचनात्मक असमानताओं को और भी उभार कर सामने लाया है, और इस वजह से सीमांत लोग इससे असामान्य रूप से प्रभावित हुए हैं।

प्रभावी COVID-19 महामारी की प्रतिक्रियाओं और पुनः ठीक होने के लिए, सीमांत लोगों पर COVID-19 के प्रभाव और इन प्रभावों को अनुकूलित एवं प्रबंधित करने के लिए समुदायों द्वारा प्रयुक्त कार्यनीतियों दोनों को व्यापक रूप से समझने की जरूरत है। समुदायों और नागरिक समाज संगठनों (CSO) द्वारा एकत्र किए गए डेटा उन लोगों और समूहों की दृश्यता में वृद्धि कर सकते हैं जिन्हें आधिकारिक डेटा द्वारा अनदेखा किया जाता है, उनकी स्थितियों की समझ में सुधार होता है और रणनीतियों का मुकाबला किया जाता है।

COVID-19 महामारी के असमान प्रभावों को समझने और समावेशी पुनर्प्राप्ति के लिए एक मजबूत मार्ग निर्धारित करने के लिए, सी.एस.ओ (CSO) के एक समूह ने समावेशी COVID-19 डेटा पर सिविल सोसाइटी कोलैबोरेटिव का गठन किया। समुदायों के साथ काम करते हुए, यह सहयोग अधिक समग्र दृष्टिकोण का पक्ष समर्थन करता है जो समुदाय और सी.एस.ए डेटा का उपयोग करके लोगों और समूहों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करता है जो सीमांत हैं। यह रिपोर्ट सहयोगात्मक भागीदारों द्वारा एकत्र किए गए समुदाय और सी.एस.ओ डेटा का उपयोग करती है, अक्सर समुदायों के साथ निकट सहयोग में, सीमांत लोगों और उनकी प्रतिक्रियाओं पर COVID-19 महामारी के प्रभाव की एक स्पष्ट तस्वीर प्रदान करने के लिए। यह रिपोर्ट सीमांत लोगों के लिए पांच सामान्य मुद्दों और प्रभावों पर प्रकाश डालती है: स्वास्थ्य तक पहुंच; आय और आजीविका; भोजन की असुरक्षा; शिक्षा; और हिंसा, दुर्व्यवहार और भेदभाव।

इस रिपोर्ट का उद्देश्य उन लोगों द्वारा महामारी के दौरान अनुभव की गई वास्तविकताओं की एक व्यापक तस्वीर प्रदान करना नहीं है, जो सीमांत हैं और ना ही इसमें COVID-19 के लिए सरकारी प्रतिक्रियाओं की अत्यधिक समालोचना की गई है। इसके बजाय, अधिक समावेशी COVID-19 महामारी प्रतिक्रियाओं और पुनर्प्राप्ति को प्रेरित करने और इस डेटा के मूल्य को प्रदर्शित करने के लिए समुदायों और सी.एस.ओ डेटा से अंतर्दृष्टि का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

इस रिपोर्ट में अंतर्दृष्टि इस बात पर प्रकाश डालती है कि आधिकारिक डेटा इस महामारी में सीमांत समुदायों की अपर्याप्त तस्वीर प्रदान करते हैं। साथ ही, यह अंतर्दृष्टि सीमांत लोगों के सामने आईं उन भारी चुनौतियों का भी उल्लेख करती हैं, जिनका इन लोगों को अक्सर सरकार से पर्याप्त सहायता प्राप्त किए बिना ही मुकाबला करना पड़ा है।

सामुदायिक आवाज़ें

अपने शब्दों में, चार सामुदायिक अधिवक्ता इस रिपोर्ट के लिए महामारी के प्रभावों, उनके समुदायों की प्रतिक्रियाओं और उनकी महत्वाकांक्षाओं पर अपने विचार साझा करते हैं।

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में विला डो विंटेम फेवेला के २४ वर्षीय वकील डैनियल कैलार्को ने कहा:

"स्थायी रूप से पुनर्निर्माण के लिए, हमें पहले यह समझने की आवश्यकता है कि इस महामारी ने हमारे समुदायों और भविष्य के लिए उनकी प्राथमिकताओं को कैसे प्रभावित किया है। यह हम तभी जान सकते हैं जब हमारे पास सही आंकड़े हों। डेटा जो प्रतिच्छेदन है, जो स्थानीय ज्ञान को महत्व देता है और मान्य करता है। डेटा जिसे समुदायों के साथ सुरक्षित रूप से एकत्र और मॉनिटर किया जाता है, साथ ही डेटा जो समुदायों को इसके दुरुपयोग से बचाता है। हमें विश्वास और जवाबदेही में निहित राष्ट्रीय डेटा प्राधिकरणों के साथ मजबूत भागीदारी की आवश्यकता है। पुनर्निर्माण और पुनर्प्राप्ति प्रयासों को सूचित करने के लिए मजबूत और अधिक समावेशी डेटा संग्रह तंत्र और सामाजिक नीतियों को डिजाइन करने के लिए केंद्र में समुदायों की आवश्यकता है।"

युवा नेतृत्व वाली डिजिटल इंगेजमेंट प्रोजेक्ट में २६ वर्षीय महिला युवा चैंपियन मती सोरेन। संताल इंडिजेनस स्वदेशी समुदाय के सदस्य, गोनोकर दांग (गोदागरी, राजशाही), उत्तर-पश्चिमी बांग्लादेश, ने कहा:

"यह रिपोर्ट दर्शाती है कि COVID-19 का असमान प्रभाव पड़ा है। इस रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालयों द्वारा सृजित और/या मान्य डेटा उन लोगों पर COVID-19 महामारी के कई नकारात्मक प्रभावों की अनदेखी करता है, जो यहां बांग्लादेश में सीमांत हैं। आधिकारिक डेटा से सीमांत लोगों की अनुपस्थिति अक्सर मेरे समुदाय के समूहों और लोगों को राष्ट्रीय COVID-19 प्रतिक्रिया से बाहर कर देती है। समुदायों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा एकत्र किए गए गैर-आधिकारिक डेटा, सीमांत लोगों की दृश्यता को बढ़ा सकते हैं जिन्हें आधिकारिक डेटा द्वारा अनदेखा किया जाता है और साथ ही सीमांत लोगों ने इन परिस्थितियों का किस प्रकार से मुकाबला किया है उसकी समझ में भीसुधार कर सकता हैं। मुझे उम्मीद है कि यह रिपोर्ट हितधारकों को सिफारिशों द्वारा निर्देशित अधिक समावेशी COVID-19 प्रतिक्रियाओं और रिकवरियों के लिए प्रेरित करेगी।"

सुलेमान अब्दुलमुमुनि उजाह, एक ४४ वर्षीय पुरुष और बधिर विकलांगता अधिकार अधिवक्ता और अबूजा, नाइजीरिया से अफ्रीकी विकलांगता फोरम में राष्ट्रीय परियोजना अधिकारी ने कहा:

"यह रिपोर्ट दिव्यांग व्यक्तियों पर केंद्रित संकट में आधिकारिक डेटा नहीं होने और दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा सामना किए जाने वाले महत्वपूर्ण अंतराल और बाधाओं की पहचान करने और उन्हें संबोधित नहीं करने वाले आधिकारिक डेटा से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डालती है। नतीजतन, यह रिपोर्ट सभी हितधारकों के लिए अंतराल और बाधाओं को दूर करने के लिए एक जागृत करने की पुकार प्रस्तुत करती है और साक्ष्य-आधारित कार्यक्रमों और नीतियों को बनाने के लिए सरकारों के लिए दिव्यांगता अलग-अलग डेटा का उपयोग करने के महत्व को दोहराती है। आशा के साथ, सभी हितधारक सभी COVID-19 हस्तक्षेपों में विकलांग व्यक्तियों को पूर्ण समावेश सुनिश्चित करने के लिए रिपोर्ट की सिफारिशों को पूरी तरह से लागू करेंगे।"

हेलसिंकी, फ़िनलैंड से वृद्ध लोगों के अधिकारों के लिए ८१ वर्षीय महिला प्रचारक वप्पू ताइपले ने कहा:

"सरकारों ने अपने नागरिकों और उनकी अर्थव्यवस्थाओं की रक्षा और समर्थन करने वाले COVID-19 के समाधान खोजने की पूरी कोशिश की है। हालाँकि, COVID-19 ने सभी को चुनौती दी है। यहां नॉर्डिक देशों में, वृद्ध लोग ज्यादातर अकेले रहते हैं, छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं, जिनमें किन्हीं भी आगंतुकों को आना-जाना नहीं है। संयुक्त राष्ट्र संगठनों ने 'छाया महामारी', घरेलू हिंसा में वृद्धि के बारे में बात करना शुरू कर दिया है। एक और भी गहरी छाया है जिसे संबोधित नहीं किया जा रहा है: वृद्ध लोग मानव संपर्क के भूखे हैं। यहीं पर नागरिक समाज संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। नागरिक समाज संगठनों ने महामारी की प्रतिक्रिया और ठीक होने में मदद करने के लिए वृद्ध लोगों के अनुभवों पर कब्जा कर लिया है।"

हमारी सिफारिशें

COVID-19 के लिए सरकार की प्रतिक्रियाएँ सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) पर असमानताओं को और अधिक व्यापक बनाने और प्रगति को उलटने से रोकने के लिए सीमांत अनुभव करने वाले समुदायों के प्रयासों को पूरक और मजबूत करना चाहिए।

अधिक समावेशी डेटा प्रणालियों के माध्यम से असमानताओं को और अधिक गहराने से रोकने में मदद करने के लिए, समावेशी COVID-19 डेटा पर सिविल सोसाइटी कोलैबोरेटिव निम्नलिखित के लिए कहता है:

योजनाओं को सूचित करने और COVID-19 प्रतिक्रिया और पुनर्प्राप्ति की निगरानी के लिए समुदायों और सी.एस.ओ के डेटा का उपयोग करना।

लघु अवधि

राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय प्रतिक्रिया, रिकवरी योजनाओं,नीतियों के विकास और निगरानी को सूचित करने के लिए राष्ट्रीय COVID-19 कार्यबल और समान सरकारी समन्वय निकाय सक्रिय रूप से समुदाय और सी-एस-ओ डेटा की तलाश और उपयोग करते हैं।

लघु अवधि

समुदाय और सी.एस.ओ उपयोग की जाने वाली पद्धतियों, सीमाओं और ताकत की पारदर्शी चर्चा के साथ-साथ सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुसार COVID-19 संबंधित डेटा के साझाकरण और प्रसार को बढ़ाते हैं।

असमानताओं की पहचान करके रिपोर्ट करने और आधिकारिक डेटा सिस्टम की समावेशिता को आगे बढ़ाने के लिए COVID-19 डेटा का तत्काल पृथक्करण।

लघु अवधि

सरकारी मंत्रालयों और राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालयों (NSO) को डेटा के संग्रह और उपयोग, COVID-19 मामले की रिपोर्टिंग को मजबूत करने के लिए,मृत्यु और सामाजिक-आर्थिक प्रभाव , उम्र, दिव्यांगता लिंग, भौगोलिक स्थिति, आय, प्रवासी/विस्थापन की स्थिति, जाति या स्थानीय और राष्ट्रीय संदर्भों में प्रासंगिक अन्य विशेषताएं।

दीर्घावधि

एन.एस.ओ, सरकारी विभागों के साथ समन्वय में, आधिकारिक डेटा सिस्टम में सभी को शामिल करने और भविष्य के संकटों के लिए तैयार करने के लिए, जिसमें नागरिक पंजीकरण प्रणाली को आगे बढ़ाना, डेटा पृथक्करण को गहरा करना और गुणात्मक डेटा के उत्पादन और उपयोग को बढ़ाना शामिल है।

समुदाय और सीएसओ डेटा के उपयोग को बढ़ाने के लिए सरकारों, समुदायों और सी.एस.ओ के बीच मजबूत भागीदारी और समन्वय तंत्र।

लघु अवधि

एन.एस.ओ समुदाय और सीएसओ के साथ काम करने के लिए एक वरिष्ठ स्तर के नेतृत्व को नियुक्त करेगे, जो आधिकारिक डेटा का उपयोग करके दिए गए विश्लेषण और रिपोर्ट को पूरक करने के लिए समुदाय और सी.एस.ओ डेटा की गुणवत्ता का आकलन, विश्लेषण और मूल्यांकन करेगे।

दीर्घावधि

एन.एस.ओ और अन्य सरकारी विभाग समुदायों के कार्यसमूहो और डेटा साझेधारी को स्थापित और मजबूत के लिए ,सीएसओ और प्रासंगिक गैर-आधिकारिक डेटा (जैसे मानवाधिकार संस्थान) के अन्य प्रमुख उत्पादकों के साथ आधिकारिक डेटा के साथ समुदाय और सी.एस.ओ डेटा उत्पादन, साझा करने, विश्लेषण और उपयोग करने के लिए प्रभावी और पारदर्शी प्रणाली स्थापित करना।

दीर्घावधि

समुदाय और सी.एस.ओ डेटा के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश और गुणवत्ता मानकों को विकसित करने के लिए एन-एस-ओ, समुदाय और सी-एस-ओ मिलकर काम करें, जिससे नीति नियोजन, कार्यान्वयन और संकट प्रतिक्रिया में ऐसे डेटा के सक्रिय उपयोग का समर्थन किया जा सके। समुदाय और सी-एस-ओ अपने डेटा की गुणवत्ता का आकलन और रिपोर्ट करेंगे।

समुदाय और सी.एस.ओ डेटा के उत्पादन और अधिक समावेशी आधिकारिक डेटा सिस्टम के विकास के निवेश में तेजी लाना।

अल्पकालिक और दीर्घकालिक

राष्ट्रीय सरकारों और दाताओं को समुदाय और सी.एस.ओ डेटा के सृजन के लिए प्रोत्साहित करना, सुविधा प्रदान करना और धन आवंटित करना चाहिए ताकि अधिक कुशल, लक्षित और सुलभ कार्यक्रम विकसित किए जा सकें जो हाशिए का अनुभव करने वाले समुदायों की स्थिति को दूर करने में मदद करते हैं।

दीर्घावधि

सरकारों और दानदाताओं को व्यापक और समावेशी आधिकारिक डेटा सिस्टम को मजबूत करने के लिए एन.एस.ओ और सरकारी विभागों को फंडिंग बढ़ाना चीहिये।

दीर्घावधि

डेटा गुणवत्ता, साझाकरण और उपयोग को मजबूत करने के लिए एन-एस-ओ, समुदायों और सी-एस-ओ के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण करने के लिए दाता का समर्थन।

एक समान COVID-19 रिकवरी को आगे बढ़ाने हेतु और किसी को पीछे न छोड़ने की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए, सहयोग हेतु निम्नलिखित की मांग करता है:

जिन लोगों को पीछे छोड़ दिया गया है उन्हें COVID-19 प्रतिक्रियाओं और दीर्घकालिक पुनर्प्राप्ति योजना, कार्यान्वयन और बजट में प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

लघु अवधि

COVID-19 टास्कफोर्स और इसी तरह के सरकारी समन्वय निकायों को सभी नियोजित और हाल ही में अपनाई गई उप-राष्ट्रीय और राष्ट्रीय COVID-19 प्रतिक्रिया रणनीतियों का गंभीर मूल्यांकन करना है कि क्या वे सीमांत लोगों की स्थिति का पर्याप्त रूप से जवाब देते हैं।

दीर्घावधि

राष्ट्रीय सरकारे सीमांत लोगों पर महामारी के आर्थिक प्रभाव के एक अंतःविषय विश्लेषण के आधार पर सामाजिक सुरक्षा उपायों के लक्ष्यीकरण को मजबूत एवं सुधारे।

दीर्घावधि

सरकारें आर्थिक सुधार योजनाओं और अन्य राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय COVID-19 कार्यनीतियों, बजट और कार्यान्वयन योजनाओं को सुनिश्चित करने के लिए किसी को पीछे नहीं छोड़ने के सिद्धांत को पूरा करें। उप-राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर अधिक भागीदारी वाले बजट चक्रों का परिचय दें ताकि कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और सीमांत अनुभव करने वाले समुदायों के लक्ष्यीकरण की समीक्षा की जा सके।

COVID-19 की प्रतिक्रियें और पुनर्प्राप्ति और दीर्घकालिक नीतियों और कार्यक्रमों पर समावेशी और भागीदारी निर्णय लेने की प्रक्रिया।

लघु अवधि

राष्ट्रीय COVID-19 कार्यबल और समान सरकारी समन्वय निकाय समुदायों और सी.एस.ओ के साथ भागीदारी करने के लिए संयुक्त रूप से जवाबदेही तंत्र विकसित करने के लिए उन सीमांत लोगों के प्रतिनिधियों की पहचान करने और उन्हें शामिल करने के लिए जो सक्रिय रूप से भाग लेने और निर्णय लेने और कार्यान्वयन प्रक्रियाओं में शामिल हैं।

दीर्घावधि

समावेशी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं का समर्थन करने और सरकारों के साथ जुड़ाव को कारगर बनाने के लिए स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तरों पर पारस्परिक संबंधों और सहयोग को समुदाय के प्रतिनिधि और सी-एस-ओ मज़बूत करगे।

दीर्घावधि

सीमांत अनुभव करने वाले समुदायों के साथ समन्वय तंत्र विकसित करने के लिए सरकारी विभाग उनके नेतृत्व और नीतियों और कार्यक्रमों के डिजाइन, बजट, कार्यान्वयन और निगरानी पर निर्णय लेने में पूर्ण, प्रभावी और समान भागीदारी सुनिश्चित करगें।

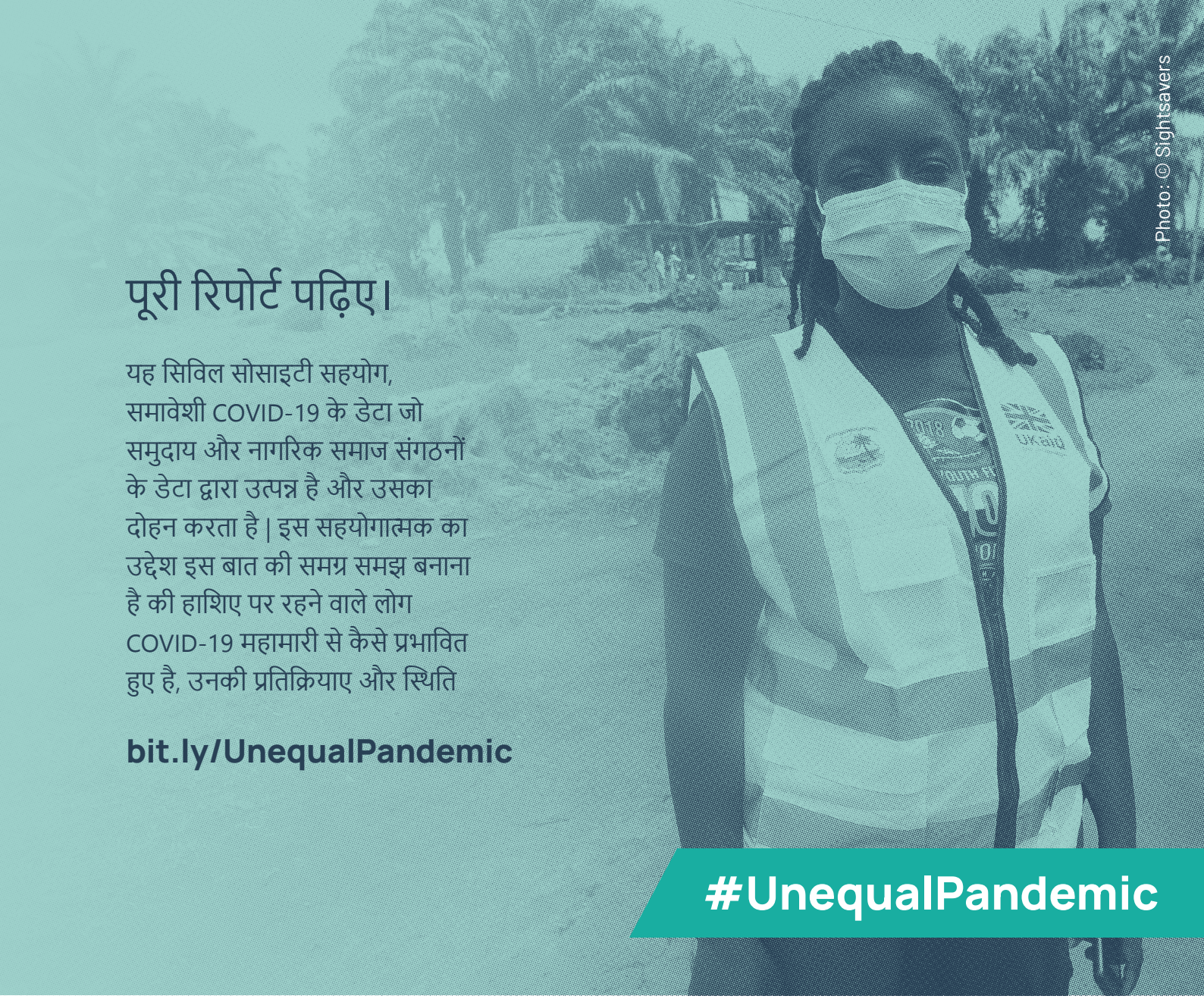

पूरी रिपोर्ट पढ़िए।

यह सिविल सोसाइटी सहयोग, समावेशी COVID-19 के डेटा जो समुदाय और नागरिक समाज संगठनों के डेटा द्वारा उत्पन्न है और उसका दोहन करता है | इस सहयोगात्मक का उद्देश इस बात की समग्र समझ बनाना है की हाशिए पर रहने वाले लोग COVID-19 महामारी से कैसे प्रभावित हुए है, उनकी प्रतिक्रियाए और स्थिति

bit.ly/UnequalPandemic

#UnequalPandemic

actionaid
AFRICA'S VOICES
cbm global disability inclusion
christian aid
CIVICUS
CONSORTIUM FOR STREET CHILDREN
development initiatives
Global Partnership for Sustainable Development Data
HelpAge International
igh George and Tanya Ruff Institute of Global Homelessness
iDMC internal displacement monitoring centre
International Civil Society Centre
INTERNATIONAL RESCUE COMMITTEE
ISLAMIC RELIEF
peace direct
PLAN INTERNATIONAL
IMPACT Shaping practices Influencing policies Impacting lives
RESTLESS DEVELOPMENT
Save the Children
Sightsavers
TRANSPARENCY INTERNATIONAL
VSO
World Vision